विनम्र अपील

कामरेडों और दोस्तों, फ़रीदाबाद की मज़दूर बस्ती, आज़ाद नगर, सेक्टर 24 में, 1917 नंबर घर में, क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा फ़रीदाबाद का दफ़्तर है. उसके एक भाग में, पुस्तकों के सिमित संग्रह वाला, एक छोटा सा पुस्तकालय है. इस पुस्तकालय को, पुस्तकों से और अधिक समृद्ध कर और इसका नवीनीकरण कर, आगामी 2 अक्तूबर को, क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा के पहले वार्षिक सम्मलेन के मौक़े पर, 'सावित्रीबाई-फ़ातिमा शेख़ स्मारक मज़दूर पुस्तकालय' नाम से, सुचारू रूप से चलाने की योजना है.

इसी घर नंबर, 1917 के सामने एक चौक है, जहाँ चर्चा-डिबेट के सत्र अक्सर चलते रहते हैं. 30 जुलाई को हुई मीटिंग में, आज़ाद नगर के मज़दूरों ने तय किया है कि इस चौक को 'शहीद-ए-आज़म भगतसिंह चौक' नाम देते हुए, उनके आगामी जन्म-दिन 28 सितम्बर को, वहां उनकी एक संगमरमर की प्रतिमा प्रस्थापित की जाएगी. साथ ही यह भी तय हुआ है कि क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा के कार्यकर्ता, जो 2 अक्टूबर को होने वाले, आगामी सम्मलेन और सेमिनार, 'गहराता फ़ासीवादी अँधेरा और हमारा फ़र्ज़' के लिए, फ़रीदाबाद और एनसीआर में प्रचार अभियान चला रहे हैं; भगतसिंह के लेख, 'मैं नास्तिक क्यों' की पुस्तिकाएँ छपवाकर, पढ़ने के इच्छुक ग़रीब लोगों में मुफ़्त वितरण करेंगे. इन योजनाओं को क़ामयाब बनाने में, हमें आपकी मदद चाहिए. हम आपसे विनम्र अपील करते हैं कि;

1) तर्कपूर्ण सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मेहनतकशों की वर्ग-चेतना प्रस्थापित करने वाली, जो किताबें भी आप दान कर सकते हैं, अवश्य करें. नाम और पता प्रेषित करें, हमारे कार्यकर्ता उन्हें साभार प्राप्त कर लेंगे.

2) पुस्तकालय के उपयोग का कोई फर्नीचर भी यदि आप दे सकते हैं, तो कृपया संकोच ना करें.

3) 'मैं नास्तिक क्यों' पुस्तिका सबसे कम दाम पर कहाँ छपवाई जा सकती हैं, कृपया मार्ग दर्शन करें तथा उसके लिए जो भी आर्थिक मदद आप कर सकते हैं, अवश्य करें.

4) 'शहीद-ए-आज़म भगतसिंह स्मारक' भी हम, उतना ही सुंदर बना पाएँगे जितना आर्थिक सहयोग हमें मिल पाएगा. इसके लिए भी कृपया आर्थिक सहयोग कर अपनी सहभागिता दर्ज़ करें.

5) आपकी आर्थिक मदद के बगैर, हम इन योजनाओं का कार्यान्वयन नहीं कर पाएँगे.

आर्थिक सहयोग, 9868483444, कॉमरेड नरेश के इस नंबर पर (नरेश चंद शाह) के इस नंबर पर, गूगल-पे, फ़ोन-पे अथवा पे-टीएम द्वारा किया जा सकता है. हृश्वस्नञ्ज के लिए बैंक डिटेल इस तरह हैं; खाता नंबर- 1130596970, IFSC code: CBIN0280402 Naresh ChandShah. पैसा ट्रांसफर कर, उसकी स्वजनित रसीद अथवा अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर ज़रूर शेयर करें.

धन्यवाद

महासचिव, क्रांतिकारी मज़दूर मोर्चा, फरीदाबाद

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर अपनी आवाज को बुलंद रखें।

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या- 451102010004150

IFSC Code : UBIN0545112 Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

नूंह दंगा: चुनौती देने वाले बजरंगी गुंडों को सरकार ने दिया संरक्षण

धार्मिक यात्रा को उन्मादी यात्रा बनाने वालों पर पुलिस क्यों है मेहरबान

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) भगवा यात्रा के नाम पर अधार्मिक व भड़काऊ बयानबाजी करने वाले बजरंगियों और हत्या आरोपी गोरक्षक मोनू मानेसर पर कार्रवाई करने के बजाय पुलिस का उन्हें संरक्षण देना ही नूह दंगों की वजह बना। नलहड़ के प्राचीन मंदिर में लंबे समय से श्रद्धालु बेखौफ आते रहे हैं कभी भी मुस्लिम समुदाय से उन्हें परेशानी नहीं हुई। इस बार श्रद्धालुओं की जगह बजरंगियों ने इस यात्रा को धार्मिक उन्माद वाली भगवा यात्रा बना दिया। पुलिस के संरक्षणवादी रवैये से नाराज मुस्लिम समाज की प्रतिक्रिया दंगे के रूप में सामने आई।

नूंह में दंगा कोई तत्कालिक कारण से नहीं हुआ। जनवरी में मोनू मानेसर पर आरोप था कि उसने गोरक्षा के नाम पर इसी इलाके में नासिर-जुनैद को पकड़कर पीटने के बाद दूसरी जगह ले जाकर जिंदा जला दिया था। हत्या का केस दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने मोनू मानेसर को आज तक गिरफ्तार नहीं किया। मई में बिट्टू बजरंगी और उसके साथी फरीदबाद इलाके के एक गांव से हाजी जमात अली के बच्चों को पीट कर उनकी दुधारू गायें, बकरियां और गधे लूट ले गए थे। बिट्टू बजरंगी और उसके साथी इन पशुओं को लेकर कई गांवों में घूमते हुए गुजरे थे, इस दौरान इन लोगों ने मुस्लिम विरोधी और धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले नारे लगाए थे। इस मामले में भी एफआईआर दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने बिट्टू बजरंगी को गिरफ्तार नहीं किया। दंगा, हत्या, लूट आदि करने वाले बजरंगी गुंडों और गोरक्षकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने से पुलिस की इन गुंडों को संरक्षण देने वाली क्षवि बन गई है।

नूंह की भगवा यात्रा के चार दिन पहले मोनू मानेसर ने यात्रा में शामिल होने के लिए आने का वीडियो वायरल किया, इसमें उसने अन्य साथियों को यात्रा में शामिल होने का उन्मादी आह्वान किया। सरकारी संरक्षण हासिल मोनू मानेसर के इस वीडियो का पुलिस ने संज्ञान नहीं लिया।यात्रा से एक दिन पहले बिट्टू बजरंगी ने भी यात्रा में शामिल होने का वीडियो वायरल किया, इसमें उसने, अपने जीजा के स्वागत में फूल माला तैयार रखना, फिर न कहना कि आने से पहले बताया नहीं था, आदि भड़काऊ बातें कहीं।

भगवा यात्रा में शामिल होने जा रहे बिट्टू बजरंगी और उसके सैकड़ों साथी तलवार, आदि हथियारों से लैस थे, ये धार्मिक यात्रा थी या हथियारों से हमला करने की तैयारी?

संरक्षणवादी पुलिस इन दंगाइयों को रोकने के बजाय यात्रा के नाम पर इनका स्वागत करने खड़ी थी। श्रद्धालुओं की तरह यात्रा निकाली जाती तो ठीक था लेकिन मुस्लिम इलाकों से गुजरते हुए भड़काऊ नारे लगाए जाना यह बताता है कि बिट्टू बजरंगी व अन्य हिंदूवादी संगठन दंगा करवाने पर उतारू थे। हुआ वही दोनों ओर से पथराव, गोलीबारी हुई। इसमें दो होमगार्ड सहित पांच लोगों की मौत हुई जबकि अनेक लोग जख्मी हुए। इस तरह नलहड के मंदिर के लिए होने वाली यात्रा पहली बार रक्तरंजित हुई और इलाके के सदियों पुराने हिंदू-मुस्लिम भाईचारे में दरार डालने वाले कामयाब हो गए।

शहर में बजरंगी गुंडों ने किया उत्पात

नूंह दंगों में बजरंगी गुंडों की पिटाई और पुलिस पर हमले के विरोध में भाजपा नेता हेमंत गोयल ने मंगलवार को फरीदाबाद बंद की घोषणा की थी। बंद देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया। बल्लभगढ़ चावला कॉलोनी चालीस फीट रोड पर बजरंगी दंगाइयों ने पुलिस बल की मौजूदगी में मुसलमानों की जूस की दो दुकानें तोड़ डालीं। दंगाइयों ने सेक्टर तीन स्थित मस्जिद पर भी रात में हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। बुधवार को भी बल्लभगढ़ बाजार में मुसलमानों की दुकानें जबरन बंद करा दी गईं। दंगाइयों ने शहर में कई जगह माहौल बिगाड़ने की कोशिश की लेकिन अमन पसंद लोगों के कारण उनकी चाल कामयाब नहीं हो सकी।

बड़े बिल्डर की अवैध कॉलोनी तोड़ने के बजाय एफआईआर से ही काम चला लिया

फरीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) अवैध प्लॉट और कॉलोनियों पर गाहे बगाहे बुलडोजर चलाने वाले डीटीपी ने अनंगपुर गांव में एक बड़ी कॉलोनी न सिर्फ कटने दी बल्कि बन कर तैयार भी हो जाने दी। इतनी बड़ी अवैध कॉलोनी का निर्माण पूरा होने के बाद अब उन्होंने बिल्डर और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। बिल्डर की गिरफ्तारी न हो इसलिए डीटीपी और पुलिस ने साजबाज होकर वे धाराएं लगाईं जिनमें अधिकतम तीन साल की सजा हो। यानी बिल्डर भी खुश, डीटीपी भी खुश, एफआईआर दर्ज करने वाली पुलिस भी खुश, रही बात अवैध प्लॉट खरीदने वालों की तो उन्हें भी खट्टर की अवैध कॉलोनियों को वैध करने की घोषणा पर एतबार है।

डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर (डीटीपी) कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक मेसर्स त्यागी पाइप क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर देवेंद्र त्यागी ने लक्कड़पुर निवासी संजीव और उमेद के साथ मिल कर अनंगपुर गांव में अवैध कॉलोनी विकसित कर डाली। यह कॉलोनी हरियाणा डेवपलमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरिया एक्ट 8-1975 का उल्लंघन कर विकसित की गई है। फरीदाबाद शहरी क्षेत्र में नोटिफाइड होने के कारण इस जमीन पर कोई भी निर्माण कार्य करने से पहले बिल्डर को डायरेक्टर टाउन कंट्री प्लानिंग से लाइसेंस लेना चाहिए था,

डीटीपी राजेन्द्र टी शर्मा

लेकिन बिल्डर ने ऐसा नहीं किया और कॉलोनी काट दी। आम तौर पर इस तरह की कॉलोनियां काटे जाने के समय ही मौके पर पहुंच कर डीपीसी, बाउंड्री और रोड नेटवर्क उखाड़ फेकने वाले डीटीपी ने इस कॉलोनी में ऐसा कुछ नहीं किया। बजाय इसके उन्होंने बिल्डर को जून 2023 में दो नोटिस जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली।

खास बात यह रही कि बिल्डर ने जिस जमीन पर प्लॉट काटे हैं कानूनी रूप से न तो उसका सीएलयू हो सकता है और न ही सब डिविजन, बावजूद इसके डीटीपी ने सिर्फ नोटिस-नोटिस का ही खेल किया, कार्रवाई नहीं। अन्य मामलों में तेजी दिखाने वाले डीटीपी ने इस मामले में तोड़-फोड़ की कार्रवाई क्यों नहीं की यह तो वही जानें।

जब कॉलोनी का निर्माण कार्य चल रहा था तब चुप रहे डीटीपी ने अब पुलिस के साथ ही सब रजिस्ट्रार बड़खल को पत्र लिखा है कि इस अवैध कॉलोनी की किसी सेल डीड को पंजीकृत न करें। इसके साथ ही उन्होंने बिजली निगम के आला अधिकारियों को भी पत्र लिखकर उस अवैध कॉलोनी में कनेक्शन नहीं देने का अनुरोध किया है। सर्वविदित है कि बिजली चोरी रोकने के लिए बिजली निगम नॉन रेगुलेटेड इलाकों में भी कनेक्शन देता है। बड़खल हो या कोई अन्य तहसील सुविधा शुल्क की जय जयकार होती है। नगर निगम के अधिकारी भी कहते हैं कि अवैध कॉलोनियों में भी सड़क और पानी की आधारभूत सुविधा तो दिया जाना मानवीय आधार पर बनता है। सीएम खट्टर के अवैध कॉलोनियों को वैध किए जाने के आदेश के बाद अनंगपुर गांव में विकसित हो रही इस अवैध कॉलोनी में प्लॉट और फ्लैट खरीदने वाले भी उत्साह में हैं, उन्हें भी लगता है कि देर सबेर उनकी कॉलोनी को भी वैध कर ही दिया जाएगा, अब चुनावी वर्ष है तो कुछ भी हो सकता है। आम जनता को रेवड़ी बांटने का विरोध करने वाली भाजपा के मुख्यमंत्री क्या पता खुद ही अनंगपुर कॉलोनी वालों को चुनावी वर्ष में रेवड़ी बांट दें।